श्री श्रोम प्रकाश त्यागी (मुरादाबाद) : पाकिस्तान भारत विरोधी नागाओं को मदद देता है तब आप ईस्ट पाकिस्तान में प्रजातन्त्र के लिये लड़ने वालों की सहायता क्यों नहीं करतीं ?

श्रीमती इन्दिरा गान्धी : माननीय सदस्य को मालूम होना चाहिये कि इस का कौन ठीक तरीका है और वह भी जरा समझ बूझ कर करनी चाहिये ।

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : इसकी तफसील हम आप से नहीं चाहते ।

श्रीमती इंदिरा गांधी : वह पूछते हैं घड़ी घड़ी ।

I welcome this occasion. I do not think that Gurudev needs tribute or homage from us, because that homage exists in the hearts of the people and it is something which is not just for a few generations but will remain with us for all time to come. Tagore is now a part of our culture, a part of our rich heritage, and not only of our own heritage but if I may say so of the heritage of the world. He is one of those Indians who established links with the rest of the world. He stood for the widening of vision and, if I may use rather an unpoetic word, the cross-fertilisation of human cultures and ideas, and along with that, he was deeply conscious of the condition of the Indian people. He always identified himself as he has done in his beautiful poem, 'with what he calls the 'lowliest and the lost'. He talked of high ideals and beauty but he was ever conscious of the need to work for the poorest and those who had been oppressed in our country and in others. So, certainly it will be the Government's earnest endeavour to do whatever it can to preserve the relics of this great man.

18.05 hrs.

POINT *RE.* STARRED QUESTION No. 214—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Abdul Ghani Dar had approached the Speaker in connection with a certain remark he made this morning in the House and the Speaker has permitted him to make a statement clarifying what he had said then.

श्री अब्दुल गनी दार (गुड़गांव) : आज मैं सप्लिमेंटरी सवाल के लिये खड़ा हुआ जो कि ईस्ट पाकिस्तान में हिन्दू बहिन भाइयों पर सख्तियां या जुल्म या ज्यादतियां होने के बारे में था । उस पर बहुत सवाल उठाये गये थे । एक भाई ने तो यहां तक कहा कि जब तकसीम हुई थी तो मकसद यह था कि सब मुसलमान उधर जायें और सब हिन्दू इधर आयें । तब मैं ने एक सवाल करना चाहा । मेरे सवाल का पहला हिस्सा यह था कि "क्या सरकार जो पाकिस्तान ने ज्यादतियां की हैं या कर रहा है उस का पूरा डाकुमेंट शाया करेगी और पूरा तफसीली बयान देगी"? दूसरा हिस्सा यह था कि "पाकिस्तान ने तो इल्जाम लगाया है कि हिन्दुस्तान में माइनोरिटीज़ के खिलाफ हजारों फिरकावाराना फसादात हुए और उस में हजारों मुसलमान मारे गये," इसके आगे जब मैं कहना चाहता था कि उसी वक्त एक तूफान उठा । उस तूफान में जो भाइयों के दिल में था, उन्होंने कहा, और मैं सुनता रहा । पाकिस्तानी एजेंट तक कहा गया । वह लोग तो मौजूद थे भी नहीं जब हमने आजादी के लिये अपनी बीवी, बहन और भतीजी और भाइयों की कुर्बानी की थी, वह कहां थे, मैं नहीं जानता । उन्हें शायद इल्म नहीं था कि मैं ने इस से पहले एक सवाल किया था अर्शद हुसैन साहब के ताजा बयान को रिवट करने के लिये उन्होंने यह इल्जाम लगाया है । क्योंकि मैं यह जानता हूं कि कई हैं जो फसादात सोचे समझे किये जाते हैं

[श्री अब्दुल गनी दार]

और कई हैं जो ऐक्सिडेंटल होते हैं । तो मैं ने यह सवाल किया था । मैं ने चाहा था कि आगे अपना हिस्सा पूरा करूं कि क्या इसके बारे में गवर्नमेंट पूरे फैक्टस एंड फिगर्स से रिवट करेगी, तो इस के मुताल्लिक कुछ कहा गया । जैसा कहते हैं कि चोर की दाढ़ी में तिनका, जिन्होंने फसादात कराये हैं मुल्क में उन को घबराहट हुई है कि यह क्या है । मैं साफ अर्ज करना चाहता हूं कि अगर मेरा सवाल . . .

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): Sir, on a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let the hon. Member be allowed to finish. I am watching him very carefully.

श्री कंवर लाल गुप्त : अभी ठीक रहेगा । मैं इसे बढ़ाना नहीं चाहता । मैं जानना चाह रहा था कि जब वह क्लैरिफिकेशन देना चाहते हैं उस में उनका मतलब क्या है । जो कुछ भी पूछा गया हो, जो कुछ भी हो, वह उस का क्लैरिफिकेशन दे, उस के बजाय जो सुबह हुआ, कुछ उधर से कहा गया, कुछ इधर से कहा गया, उस के बारे में अगर वह कुछ कहेंगे या उस को दुबारा चार्ज करेंगे तो वह ठीक न होगा ।

एक माननीय सदस्य : हमें भी जवाब देना होगा ।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैं चाहता हूं कि वह चीज अवायड हो । उस का कोई अच्छा नतीजा नहीं होगा । जो कुछ उन को कहना हो उस में उन का मंशा सुबह क्या था केवल इतना ही कहना चाहिये । अब चोर कौन है, किस की दाढ़ी में तिनका है, किस के नहीं है, इस का जिक्र न किया जाये तो ज्यादा अच्छा होगा । इस लिये मैं माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि जो वह सुबह कहना चाहते थे वहीं कहें, न कि सुबह जो कांड हुआ उस का डिफेन्स करें या किसी को ऐक्यूज करें । यह ठीक नहीं होगा या यह कि आजादी की लड़ाई उन्होंने लड़ी, हम ने लड़ी या किस ने लड़ी । मैं चाहता हूं कि आप उन से यह बात कहें तो ज्यादा अच्छा होगा । उन के स्पष्टीकरण से और गड़बड़ हो यह ठीक नहीं होगा । (व्यवधान)

श्री अब्दुल गनी दार : मैं यह अर्ज कर रहा था कि इस से बहुत पहले मैं ने सवाल किया हुआ था अर्शद हुसैन साहब के स्टेटमेंट के बारे में । बिल्कुल क्लिअर था मेरे दिमाग में, इस मामले में मैं कोई दो रायें नहीं रखता था कि गवर्नमेंट को इस का जवाब देना चाहिये । मगर चूंकि मुझे मौका नहीं दिया गया और बीच में ही एक तूफान को मुझे बर्दाश्त करना था । मेरी सारी जिन्दगी तूफानों में गुजरी है । मैंने आखिरी अल्फाज जो कहे हैं, अगर आप कार्रवाई पढ़ेंगे, तो मैं ने मेम्बर साहबान से रिक्वेस्ट किया कि मेरा सवाल कम्पलीट नहीं हुआ, उसे कम्पलीट होने दिया जाये । उस के जवाब में स्पीकर साहब ने, मुझे वह माफ करेंगे, मुझे गालियां दीं कि मैं ने मुल्क के काज़ को डेमेज़ किया, हालांकि मैं ने मुल्क के काज को तकवियत देना चाहा था यह कह कर कि जो उन्होंने इल्जाम लगाया है उस के बारे में तफसीली बयान दिया जाये ताकि जनता जो है वह आये दिन रोज मुसलमानों को यहां हैरास न करे ।

हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं बदनाम,
वह कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होता ।

यह इनकी आज पोजीशन है — (इंटरप्शंज)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please resume your seat.

श्री अब्दुल गनी दार : मैं आपके द्वारा इनको कहना चाहता हूं कि मैं देश के हित में—(इंटरप्शंज) सिर्फ एक मिनट । आप देखिये कि देश का अगर इंटरेस्ट....

[شری عبدالغنی دار (گڑگاؤں) : آج میں سپلیمینٹری سوال کے لئے کھڑا ہوا جو کہ ایسٹ پاکستان میں ہندو بہن بھائیوں پر سختیاں یا ظلم یا زیادتیاں ہونے کے بارے میں تھا - اس پر بہت سوال اٹھائے گئے تھے - ایک بھائی نے تو یہاں تک کہا کہ جب تقسیم ہوئی تھی تو مقصد یہ تھا کہ سب مسلمان ادھر جائیں اور سب ہندو ادھر آئیں - تب میں نے ایک سوال کرنا چاہا - میرے سوال کا پہلا حصہ یہ تھا کہ کیا سرکار جو پاکستان نے زیادتیاں کی ہیں یا کر رہا ہے اس کا پورا ڈاکومینٹ شائع کریگی اور پورا تفصیلی بیان دیگی - دوسرا حصہ یہ تھا کہ پاکستان نے جو الزام لگایا ہے کہ ہندوستان میں مائناریٹیز کے خلاف ہزاروں فرقہ وارانہ فسادات ہوئے اور اس میں ہزاروں مسلمان مارے گئے - اس کے آگے جب میں کہنا چاہتا تھا اسی وقت ایک طوفان اٹھا - اس طوفان میں جو بھائیوں کے دل میں تھا - انہوں نے کہا - اور میں سنتا رہا - پاکستانی ایجنٹ تک کہا گیا - وہ لوگ تو موجود تھے بھی نہیں جب ہم نے آزادی کے لئے اپنی بیوی - بہن اور بھتیجی اور بھائیوں کی قربانی کی تھی - وہ کہاں تھے میں نہیں جانتا انہیں شائد علم نہیں تھا کہ میں نے اس سے پہلے ایک سوال دیا تھا ارشد حسین صاحب کے تازہ بیان کو ریبٹ کرنے کے لئے کہ انہوں نے یہ الزام لگایا ہے - کیونکہ میں جانتا ہوں کہ کئی ہیں جو فسادات سوچے سمجھے کئے جاتے ہیں اور کئی ہیں جو ایکسیڈینٹل ہوتے ہیں - تو میں نے یہ سوال کیا تھا - میں نے چاہا تھا کہ آگے اپنا حصہ پورا کروں کہ کیا اس کے بارے میں بھی گورنمینٹ پورے فیکٹس اینڈ فیگرس سے ریبٹ کریگی - تو اس کے متعلق کچھ کہا تھا - جیسا کہتے ہیں کہ چور کی داڑھی میں تنکا - جنہوں نے فسادات کرائے ہیں ملک میں ان کو گھبراہٹ ہوئی کہ یہ کہا ہے - میں صاف عرض کرنا چاہتا ہوں کہ اور میرا سوال . . .

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): Sir, on a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let the hon. Member be allowed to finish, I am watching him very carefully.

श्री कंवर लाल गुप्त : अभी ठीक रहेगा। मैं इसे बढ़ाना नहीं चाहता। मैं जानना चाह रहा था कि जो वह क्लैरिफिकेशन देना चाहते हैं उस में उनका मतलब क्या है। जो कुछ भी पूछा गया हो, जो कुछ भी हो, वह उस का क्लैरिफिकेशन दें, इस के बजाय जो सुबह हुआ, कुछ इधर से कुछ उधर से कहा गया, उस के बारे में अगर वह कुछ

[श्री कंवर लाल गुप्त]

कहगे या उग को दुबारा चार्ज करेंगे तो वह ठीक न होगा ।

एक माननीय सदस्य : हमें भी जवाब देना होगा ।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैं चाहता हूं कि वह चीज अवायड हो । उस का कोई अच्छा नतीजा नहीं होगा । जो कुछ उन को कहना हो उस में उन का मंशा सुबह क्या था केवल इतना ही कहना चाहिये । अब चोर कौन है, किस की दाढ़ी में तिनका है, किस के नहीं है, इस का जिक्र न किया जाये तो ज्यादा अच्छा होगा । इस लिये मैं माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि जो वह सुबह कहना चाहते थे, वह कहें, न कि सुबह जो काण्ड हुआ उस का डिफेन्स करें या किसी को एक्यूज करे । यह ठीक नहीं होगा या यह कि आजादी की लड़ाई उन्होंने लड़ी, हम ने लड़ी या किसने लड़ी । मैं चाहता हूं कि आप उन से यह बात कहें तो ज्यादा अच्छा होगा । उनके स्पष्टीकरण से और गड़बड़ हो यह ठीक न होगा । (व्यवधान) :

شری عبدالغنی ڈار : میں یہ عرض کر رہا تھا کہ اس سے بہت پہلے میں نے سوال کیا ہوا تھا ارشد حسین صاحب کے اسٹیٹمینٹ کے بارے میں بالکل کلھٹر تھا میرے دماغ میں – اس معاملہ میں میں کوئی دو رائیں نہیں رکھتا تھا کہ گورنمنٹ کو اس کا جواب دینا چاہئیے - مگر چونکہ مجھے موقع نہیں دیا گیا اور بیچ میں ہی ایک طوفان اٹھا تو اس طوفان کو مجھے برداشت کرنا تھا – میری ساری زندگی طوفانوں میں گزری – میں نے آخری الفاظ جو کہے ہیں – اگر ان کارروائی پڑھیں گے – تو میں نے ممبر صاحبان سے ریکویسٹ کیا کہ میرا سوال کمپلیٹ نہیں ہوا – اسے کمپلیٹ ہونے دیا جائے – اس کے جواب میں اسپیکر صاحب نے – مجھے وہ معاف کریں گے – مجھے گالیاں دیں کہ میں نے ملک کے کاز کو ڈیمیج کیا - حالانکہ میں نے ملک کے کاز کو تقویت دینا چاہا تھا یہ کہہ کر کہ جو انہوں نے الزام لگایا ہے اس کے بارے میں تفصیلی بیان دیا جائے تاکہ جنتا جو ہے وہ آئے دن روز مسلمانوں کو یہاں ہیراس نہ کرے –

ہم آہ بھی کرتے ہیں تو
ہو جاتے ہیں بدنام
وہ قتل بھی کرتے ہیں تو
چرچا نہیں ہوتا-

وہ ان کی آج پوزیشن ہے—(انٹرپشنس)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please resume your seat.

شری عبدالغنی ڈار – میں آپ کے دوارا ان کو کہنا چاہتا ہوں کہ میں دیش کے ہت میں (انٹرپشنس) صرف ایک منٹ – آپ دیکھئے کہ دیش کا اور انٹریسٹ . . .]

MR. DEPUTY-SPEAKER: If he wants to make any explanatory statement to remove misunderstandings, he must give it in writing. If you want it, you submit it, and we will study it.

18.11 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Thursday, August 1, 1968|*Sravana* 10, 1890 (*Saka*).

GMGIPND—LSD—1222 (Ai) LSD— 28-1-69—1010.